

प्रेषण,
द्वी स्तूपस्तु गौतम,
संयुक्त राजिव,
वरपाइ प्रदेश शासन।

सेप्टेम्बरी,
तेजुला दोहि जाए सेप्टेम्बरी यजुर्वान,
2/19, तंत्र विभार ग्रन्थारी रोड,
दीर्घानीप, नई दिल्ली ।

धित्याः १७ अनुवाद

तारकांग दिवसीय 26 जुलाई, 1989

विषयः- दीप फैसलेखन परिकाल रद्द, गान्धियाचार जे उत्तरापत्ति प्रमाण पत्र दिए जाने के तीव्रिंश्च मैं।

महाराजा

मुझे यह कहने का निषेद्ध हुआ है कि दीप पेमोरियल परीक्षाके स्वरूप,
गणितियाबाद को सेन्ट्रल बोर्ड आफ सेकेंटरी सहूतेस्कॉलर, नई दिल्ली से सम्बन्धित
प्रदान किए जाने में इस राज्य तरफ़ार को निष्पत्तिविभाग प्रतिवाचों/ शार्टों
के अधीन आपरित्यं नहीं है :-

३४० रायान्य प्रीतिवन्धा

- 1- विकास की प्रवृत्ति नीमीत में विद्या निमाक जरा नामित रक्तदाह दोगा ।
 - 2- विकास में जो हो का 10 प्रतिवात स्थान भेदारी और पिछे एवं निर्वह आय रही है धृत्यों के लिए उत्तीर्णत रहें तथा उसे 3000 यात्यर्थिन विद्या परिवर्क/ बैठिक विद्या परिवर्क जरा संवालित विकासों में विभिन्न कारों के लिए निर्धारित इत्युल्क है उपरिक इत्युल्क नहीं लिया जायेगा ।
 - 3- तंत्य के राज्य सरकार जरा कोई अनुदान नहीं दिया जायेगा ।
 - 4- तंत्य के सभी अध्यापक/ अध्यापिकार्दं प्रधानाधिकार ढोयें। तंत्य के विद्यार्थी विद्यार्थीतर कीमारियों को राजकीय तात्त्वाधाराप्राप्त विद्यार्थी तंत्याजों के कीमारियों को अनुमत्य देतनामानों तथा अन्य भत्तों से लघु देतनामान एवं अन्य भत्तों नहीं दिया जायें ।
 - 5- राज्य सरकार अख्या विद्या विभान जरा जो भी जायेगा निर्मात विश्व बड़ौं, उनका पातन अन्य तंत्य के लिए अनिवारी दोगा ।
 - 6- विकास में ज़क्कुआसन तथा विद्या ज्ञ त्वार उच्चवर्द्दि ज्ञ स्तान जायेगा ।

जायेगा ।

ॐ विद्महे वृत्तिवर्णा

- विवरण की प्रवृत्ति समीक्षा रीफर्टर्ड होनी तथा उपयोग पर नियमानुसार उत्तर दी जाएगा भी जावा बाधा ।
 - विवरण में ग्रुपेक लाए व अनुभाग के लिए उपयोग जावर के काम-कार, दो ऐडील्टर्ड प्रियाय लाए, दो प्रयोग्यात्मा लाए तथा चार प्रयोग्यात्मा लाए जो व्यवस्था की बाधेमी ।
 - जीवा-रियों की सेवा-शर्ते कामयी जापेमी और उन्होंने सदाकालाप्राप्त आरातजीव उच्चतर वाध्योन्नति प्रियकरणों के जीवा-रियों को उन्नुन्य सेवा नियुक्ति-क ताम उत्तम ज्ञानका ज्ञाने वाले ।
 - विवरण लाएडा-जौडा निर्धारित प्रयोगों/प्रयोगशालों में लाए जावा ।

2- उत्ता शर्तों का पालन जरना अनिवार्य होगा। इसी भी तथा उत्ता इत्तों में से इसी भी इर्दा जा उत्तीकरण लेने पर राज्य तरब्बर द्वारा प्रदत्त "उनापीस्त प्रयाण पद" वापस हो विषय जापेगा ।

३०८

第四章 市場研究

संग्रह सीरिज़ ।

ਪਾਂਧੀ ਪਾਂਧੀ ਮਿਲਾ ਕੇ ਜਾਣਾ ਹੈ ।

- १- शिराशा निषेद्धाक, उप्प०, शिरावर लार्यात्तप, लानकू।
 - २- प्रद्वयीय घ्य शिराशा निषेद्धाक, फेरू।
 - ३- प्रवच्छाक, दीप फैसोरीखल दीक्षाक रुप, गारियाहाद।
 - ४- निरीशाक, आंगत भास्तीय विकर्त्तप, उप्प०, लानकू।
 - ५- बिला विष्वामित्रीशाक, गारियाहाद।

आता ही

४२८७० गौतम
लंगुडा सिंधि।